क्या एक मसीही के लिए अवैध रूप से कमाए गए धन को स्वीकार करना
सही है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

यह आज के समय में एक बहुत गंभीर और व्यावहारिक प्रश्न है, विशेषकर उन लोगों के लिए जो सेवकाई, कलीसिया की अगुवाई, या सामान्य मसीही जीवन जी रहे हैं। क्या एक मसीही उस व्यक्ति से धन स्वीकार कर सकता है जिसकी आय ड्रग तस्करी, चोरी, धोखाधड़ी या किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों से आती है?

बाइबिल के अनुसार इसका उत्तर है: नहीं।

1. पाप में सहभागिता

जब कोई विश्वासी ऐसे स्रोत से आया हुआ धन स्वीकार करता है, तो वह चाहे सीधे रूप से न भी हो, फिर भी उस पाप में सहभागी बन जाता है। बाइबिल हमें स्पष्ट रूप से बुलाती है कि हम बुराई से अलग रहें:

इफिसियों 5:11

“अंधकार के निष्फल कामों में भाग न लो, बल्कि उन्हें उजागर करो।”

इसका अर्थ यह है कि हम केवल बुराई से दूर ही न रहें, बल्कि उसे

क्या एक मसीही के लिए अवैध रूप से कमाए गए धन को स्वीकार करना
सही है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

किसी भी रूप में समर्थन या लाभ देकर बढ़ावा भी न दें।

2. पेड़ और उसके फल को अलग नहीं किया जा सकता

यीशु ने सिखाया कि किसी चीज़ की असली पहचान उसके स्रोत और उसके फल से होती है। आप किसी व्यक्ति के जीवन के तरीके को गलत कहकर भी उसके उसी जीवन से आने वाले लाभ को स्वीकार नहीं कर सकते।

लूका 6:43–44

“कोई अच्छा पेड़ बुरा फल नहीं देता, और न ही बुरा पेड़ अच्छा
फल देता है। हर पेड़ अपने फल से पहचाना जाता है।”

यदि किसी व्यक्ति की आय का “पेड़” भ्रष्ट है, तो उसका “फल” भी शुद्ध नहीं माना जा सकता। इसलिए हम उसे अलग करके नहीं देख सकते।

3. परमेश्वर अधर्मी भेंट को स्वीकार नहीं करता

बाइबिल स्पष्ट करती है कि परमेश्वर केवल भेंट की मात्रा नहीं देखता, बल्कि उसके पीछे का स्रोत और जीवन भी देखता है:

क्या एक मसीही के लिए अवैध रूप से कमाए गए धन को स्वीकार करना
सही है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

नीतिवचन 15:8

“दुष्टों का बलिदान यहोवा को घृणित है, परन्तु सीधे लोगों
की प्रार्थना उसे प्रसन्न करती है।”

नीतिवचन 21:27

“दुष्टों की भेंट घृणित है, विशेषकर जब वह बुरी मंशा से लाई जाए।”

व्यवस्थाविवरण 23:18

“तू वेश्या की कमाई या किसी भी अशुद्ध काम से आया हुआ धन
अपने परमेश्वर यहोवा के भवन में न ला, क्योंकि यहोवा ऐसी
भेंट से प्रसन्न नहीं होता।”

यह हमें सिखाता है कि परमेश्वर के लिए केवल देना ही नहीं, बल्कि

क्या एक मसीही के लिए अवैध रूप से कमाए गए धन को स्वीकार करना
सही है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

उस धन का स्रोत भी महत्वपूर्ण है।

4. पहले पश्चाताप, फिर दान

यदि कोई व्यक्ति अवैध या पापपूर्ण जीवन से कमाया हुआ धन देना चाहता है, तो सही क्रम यह है कि पहले वह अपने जीवन से पश्चाताप करे और परमेश्वर की ओर लौटे।

केवल जब जीवन बदलता है, तभी उसका फल भी शुद्ध माना जाता है। जैसे यीशु ने कहा कि जब पेड़ अच्छा होता है, तो उसका फल भी अच्छा होता है।

2 कुरिन्थियों 5:17

“यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है; पुरानी बातें बीत
गई हैं, और सब कुछ नया हो गया है।”

इसका अर्थ है कि नया जीवन नए और सही स्रोतों को भी जन्म देता है—ईमानदारी, सत्य और धार्मिकता।

क्या एक मसीही के लिए अवैध रूप से कमाए गए धन को स्वीकार करना
सही है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

5. अशुद्ध धन के आत्मिक परिणाम

जो लोग ऐसे धन को स्वीकार करते हैं, वे अक्सर केवल भौतिक लाभ ही नहीं, बल्कि आत्मिक और नैतिक नुकसान भी उठाते हैं। क्योंकि ऐसा धन लालच, अन्याय, छल और अंधकार से जुड़ा होता है।

1 तीमुथियुस 6:10

“धन का लोभ सब प्रकार की बुराइयों की जड़ है, और इसी के कारण
कुछ लोग विश्वास से भटककर अपने आप को बहुत दुखों से छलनी कर लेते हैं।”

निष्कर्ष

एक मसीही के रूप में हमें हर क्षेत्र में पवित्रता बनाए रखने के लिए बुलाया गया है—केवल हमारे शब्दों और कार्यों में ही नहीं, बल्कि हमारे संसाधनों और धन के स्रोत में भी।

इसलिए अवैध या पापपूर्ण तरीके से कमाए गए धन को स्वीकार करना सही नहीं है—चाहे वह किसी भी रूप में क्यों न हो, जैसे भेंट,

क्या एक मसीही के लिए अवैध रूप से कमाए गए धन को स्वीकार करना
सही है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

दशमांश या दान।

इसके बजाय, हमें ऐसे व्यक्ति को प्रेमपूर्वक पश्चाताप की ओर बुलाना चाहिए और उसे ईमानदार, वैध और परमेश्वर को सम्मान देने वाले जीवन की ओर मार्गदर्शन देना चाहिए।

तभी उनका देना भी परमेश्वर के सामने सच्ची आशीष बन सकता है।

प्रभु हमें हर क्षेत्र में विवेक और पवित्रता प्रदान करे। आमीन।

Share on:
WhatsApp